कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 20/09/2023

प्रेस विज्ञप्ति

"Indian Knowledge System" पर सात दिवसीय Faculty Development Program 20 से 27 सितम्बर 2023 तक आयोजित

दिनांक 20 सितम्बर 2023 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा "Indian Knowledge System" पर सात दिवसीय Faculty Development Program 20 से 27 सितम्बर 2023 तक आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के जैव–प्रौद्योगिकी, रसायन शास्त्र व भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रथम दिन प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह आईआईटी भिलाई के निदेशक, प्रोफेसर राजीव प्रकाश, डॉ. राकेश मिश्रा, कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, सूक्ष्मजीव विज्ञान, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग से उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व राजकीय गीत 'अल्पापहेरी की धार' से हुआ। अतिथियों के स्वागत के साथ प्राध्यापक, डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने प्रोग्राम पर प्रकाश डाला। साथ ही रूसा को धन्यवाद दिया। इस प्रोग्राम को आयोजन करने में डॉ. आर.एन. सिंह प्राध्यापक, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग ने नई शिक्षा नीति में IKS पर ध्यान देनी की बात कही। मैकाले ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा के दम पर भारत को विश्वगुरू माना।

डॉ. राजीव प्रकाश, निदेशक, आईआईटी भिलाई ने IKS की जरूरत पर प्रकाश डाला। IKS के संक्रमण बाहरी आंगुतकों द्वारा होने पर IKS पर पुनः जाने की आवश्यकता है। चन्द्रमा में कम बजट पर रोवर उतारना–भारतीय ज्ञान परंपरा, अपने ज्ञान पर शर्व करना बहुत जरूरी है।

डॉ. राकेश मिश्रा, कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग ने छत्तीसगढ़िया, मातृभाषा से उद्‌बोधन प्रारंभ किया। पंचगत्य–का महत्व बताते हुए उन्होंने गायों के नर्वस सिस्टम को समझाया। संस्कृत के श्लोक को IKS से जोड़ते हुए FDP को एकसाम्य किया।

डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग ने अपनी 10 दिनों की IKS Training Nagpur के ज्ञान को प्रस्तुत किया। भारतीय ज्ञान परम्परा सिर्फ परम्परा हो नही वरन एक Ritual है जो कि कुछ पीढ़ियों दर पीढ़ियों तक repeat न होने के वजह से इस परम्परा को NEP में अनिवार्य कर दिया है।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनुपमा अस्थान, डॉ. जगजीत कौर है। डॉ. अस्थाना ने संस्कृति, कल्चर, पुरातन ज्ञान को उदाहरण के साथ बता सभी को जागरूक किया। डॉ. जगजीत कौर ने विभिन्न Quotation के साथ दर्शन, ज्ञान, विद्या के संबंध को समझाया। डॉ. ए.के सिंह ने प्रोग्राम के अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का सुसंचालन डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)